



SHRI LALBIAKTHANGA PACHUAU

Shri Lalbiakthanga Pachuau has been the oldest working journalist in India from Mizoram. At the age of 93, he is currently editing a Mizo vernacular newspaper, 'Zoram Tlangau' in Aizawl, since 1953. Shri Pachuau, after he served in British Army during World War II (1939-1945), started his own daily newspaper in 1953.

2. Born on 25th March, 1927, Shri Pachuau being a journalist had been elected as President of Mizoram Journalists' Association for three terms and currently acts as an Adviser in the association's executive committee. The Government of Mizoram had also honored him as a Prominent Press Representative for Life.

3. Shri Pachuau co-founded the Association for Voluntary Blood Donation in Mizoram as General Secretary and later was elected as President for a number of terms from 2001. The association is the main source when it comes to blood donation. His contribution in this field has earned him three Special Awards from the State Blood Transfusion Council. He was one of the key delegates at the Mizo peace talks between the then outlawed Mizo National Front and Government of India during the early 1980's. He was also the co-founder of Mizoram Social Defence Union during 1990's and campaigned vigorously against alcohol and drugs. He has held the post of President of World War Veteran Association of Mizoram till date.

4. Shri Pachuau had been decorated with War medals (1939-1945), including Burma Star, Independent Medal, J&K General Service Medal (1947-48) and Sainya Seva Medal.





श्री ललबियाक्थंगा पच्वाव

श्री ललबियाक्थंगा पच्वाव मिजोरम में रहने वाले भारत के सबसे वयोवृद्ध सक्रिय पत्रकार हैं। वह 93 वर्ष के हैं और 1953 से आइजोल की मिजो बोली के अखबार, 'जोरम लंगाऊ' का संपादन कर रहे हैं। श्री पच्वाव ने द्वितीय विश्व युद्ध (1939–1945) के दौरान ब्रिटिश सेना में अपनी सेवाएं प्रदान करने के पश्चात, 1953 में अपना दैनिक अखबार आरंभ किया।

2. 25 मार्च, 1927 को जन्मे, श्री पच्वाव को एक पत्रकार के नाते तीन कार्यकाल के लिए मिजोरम पत्रकार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया और वह वर्तमान में एसोसिएशन की कार्यकारी समिति में परामर्शक के रूप में कार्य कर रहे हैं। मिजोरम सरकार ने ललबियाक्थंगा पच्वाव को प्रोमिनेंट प्रेस रिप्रेजेंटेटिव फॉर लाइफ से भी सम्मानित किया है।

3. श्री पच्वाव, महासचिव के रूप में मिजोरम में एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी ब्लड डोनेशन के सह–संस्थापक रहे तथा बाद में उन्हें वर्ष 2001 से कई बार इसका अध्यक्ष चुना गया। यह एसोसिएशन रक्त की मुख्य दानकर्ता है। इस क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें स्टेट ब्लड ट्रांस्फ्यूजन काउंसिल द्वारा तीन विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। श्री पच्वाव 1980 के दशक की शुरुआत में प्रतिबंधित मिजो नेशनल फ्रंट तथा भारत सरकार के बीच हुई शांतिवार्ता के मुख्य प्रतिनिधियों में से एक थे। वह 1990 के दशक के दौरान, मिजोरम सोशल डिफेंस यूनियन के सह–संस्थापक भी रहे तथा उन्होंने शराब और मादक पदार्थों के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया। वह अभी भी वर्ल्ड वार वेटरन एसोसिएशन ऑफ मिजोरम के अध्यक्ष पद पर आसीन हैं।

4. श्री पच्वाव को कई वार मेडल (1939–45) से सम्मानित किया गया है, इनमें बर्मा स्टार, इंडिपेंडेंट मेडल, जम्मू और कश्मीर जनरल सर्विस मेडल (1947–48) तथा सैन्य सेवा मेडल शामिल हैं।